University in News on 05 September 2025

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय : राज्य विश्वविद्यालयों में मिला 27वां स्थान

लखनऊ विश्वविद्यालय भले ही लगातार दूसरे वर्ष देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में जगह बनाए रहा, लेकिन इसमें इस बार एक स्थान नीचे आ गया है। पिछले साल 97 वें स्थान से हटकर 98वें पर आ गया है। वहीं, विधि की श्रेणी में 23 वें स्थान से खिसक कर 29वें पर पहुंच गया। हालांकि राज्य स्तरीय सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की श्रेणी में सुधार करते हुए 32वें स्थान से इस वर्ष 55.97 स्कोर के साथ 27 वां स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को उप्र के गैर-तकनीकी राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान दिला दिया है। प्रबंधन श्रेणी में पहली बार भागीदारी करते हुए विश्वविद्यालय ने 100वां स्थान पाया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, 'हमें खुशी है कि इस बार विश्वविद्यालय, राज्य वित्तपोषित और विधि श्रेणी में हमने अंक बेहतर किए।

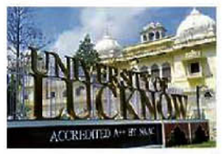

प्रो. मनुका खन्ना

जितनी जगह से रैंकिंग आ रही है, उन सभी में लवि बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसमें सबसे बड़ा योगदान संसाधनों में हो रहे सुधार, आनलाइन सुविधाएं, शोध पर अधिक ध्यान देना है। विश्वविद्यालय को लेकर लगातार लोगों का नजरिया बदल रहा है। शिक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही मौजूदा व्यवस्थाओं पर ध्यान देकर रैंकिंग में और सुधार हो सकता है।

श्वेता गुप्ता, शोधार्थी, राजीनीति विज्ञान

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

टोटल क्वॉलिटी वेलफेयर मॉडल बनाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के शिक्षकों ने जन कल्याण के उद्देश्य से अद्भुत वैश्विक मॉडल तैयार किया है। प्रो. सोमेश शुक्ला के नेतृत्व में डिजाइन इस 720° टोटल क्वॉलिटी वेलफेयर (टीक्यूडब्ल्यू) मॉडल को बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यालय ने कॉपीराइट प्रदान किया है। प्रो. सोमेश ने बताया कि मॉडल में शामिल दो परतें 360° कर्मचारी कल्याण और 360° परिवार एवं सामाजिक कल्याण से संबंधित हैं। मॉडल को अंतिम स्वरूप देने में रमाकांत सिंह, अभिषेक द्विवेदी एवं डॉ. शोभित शुक्ला ने सहयोग दिया है। (संवाद)

दीक्षोत्सव में छाईं अंतरराष्ट्रीय छात्रों की प्रस्तुतियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 68वें दीक्षांत सप्ताह के चौथे दिन अलग-अलग विभागों में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, व्याख्यान और संगोष्ठियां हुईं। जिसमें छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिकी की ओर से मालवीय सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा और विशिष्ट अतिथि डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, चीफ प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप सिंह रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में मेधावियों ने कथक से मंच सजाया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को होने वाले 68वें दीक्षांत सप्ताह के चौथे दिन अलग-अलग विभागों में कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, व्याख्यान और संगोष्ठी हुईं। जिसमें छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिकी की ओर से मालवीय सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा और विशिष्ट अतिथि डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, चीफ प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप सिंह रहे। सांस्कृतिकी की निदेशक प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव ने बताया कि समारोह में श्रीलंका के छात्रों ने समूह नृत्य, पोलैंड का सांस्कृतिक नृत्य, केन्या के छात्र ब्रायन ने गायन, शास्त्रीय नृत्य, तेलुगु व मलयालम गीतों पर नृत्य, मराठी, कथक और राजस्थानी नृत्य समेत कई तरह की प्रस्तुतियां देकर माहौल को जीवंत कर दिया। इसके अलावा इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं में क्विज, एकल गायन, पेंटिंग और पोस्टर प्रतियोगिता हुई। अंतिम प्रस्तुति रूबरू बैंड ने दी।

इन विभागों में कई तरह की प्रतियोगिताएं हुई

- भू-विज्ञान विभाग में जियो-फेस्ट 2025 के तहत पोस्टर प्रस्तुति व शिक्षक दिवस उत्सव हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने बताया कि हर पोस्टर ने पृथ्वी, पर्यावरण और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर किया।
- विधि संकाय में मूट कोर्ट एसोसिएशन ने भारत निर्वाचन आयोग: क्या यह राष्ट्र का है या सरकार का पर वाद विवाद प्रतियोगिता रखी। इसका उद्घाटन अधिष्ठाता प्रो. रमेश कुमार वर्मा ने किया।
- विधिक सहायता केंद्र ने पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता रखी। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक तिवारी ने बताया कि निशि प्रथम रहीं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

दीक्षांत समारोह सप्ताह में हुए विविध कार्यक्रम

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह से पूर्व आयोजित दीक्षांत समारोह सप्ताह में वृहस्पतिवार को लविवि के विभिन्न विभागों में विविध कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृतिकी द्वारा 68वें दीक्षांत सप्ताह समारोह (चौथे दिन) का आयोजन मलवीय सभागार में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। लविवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना के संरक्षण में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने माँ सरस्वती को पुष्प अर्पण करके किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति, केएमसी भाषा विश्वविद्यालय प्रो. अजय तनेजा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. वी.के. शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता व प्रो. अनूप सिंह, मुख्य अभिरक्षक की उपस्थिति रही। इस दौरान श्रीलंका के छात्रों ने समूह नृत्य, पोलैंड का सांस्कृतिक नृत्य, केन्या के छात्र ब्रायन द्वारा गायन, शास्त्रीय नृत्य, तेलगु तथा मलयालम गीतों पर नृत्य, मराठी नृत्य, कथक नृत्य तथा राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग द्वारा तकनीकी परिषद के सहयोग से पूर्व-दीक्षांत सप्ताह के अवसर पर द्वितीय परिसर में तकनीकी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय

समाज कार्य विभाग ने दीक्षारंभ, अभिविन्यास एवं दीक्षांत समारोह सप्ताह का तीसरा दिन 'यौन न्याय : हम क्या कर सकते हैं' मनाया। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र ने विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर (डा.) आर.के. वर्मा, केंद्र के अध्यक्ष डा. अभिषेक कुमार तिवारी एवं उपाध्यक्ष डा. भावना के मार्गदर्शन में पूर्व दीक्षांत सप्ताह समारोह के पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन, विधि संकाय ने दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का विषय था 'भारत निर्वाचन आयोग : क्या यह राष्ट्र का है या सरकार का'। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. रमेश कुमार वर्मा (प्रमुख एवं अधिष्ठाता, विधि संकाय), प्रो. राधेश्याम प्रसाद (अध्यक्ष) तथा डा. चन्द्रसेन प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 2

सात तक पंजीकरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए, एमटीटीएम, बी.एड, एलएलबी, एलएलएम, एमलिब., एमपीएड, बीपीएड (छात्र-छात्राएं), बीएफए/बीवीए और एमएफए/एमवीए में प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं को छात्रावास के लिए सात सितंबर तक 50 रुपये पंजीकरण शुल्क जमा करके पंजीकरण कराना होगा। आठ सितंबर तक सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करके आवेदन की औपचारिकताएं पूरी करना जरूरी है। पंजीकरण के लिए एचएमएस एप का लिंक https://www.luhostel.in/ पर दिया गया है। (जासं)

आईआईएम, केजीएमयू, एलयू व बीबीएयू टॉप 100 में

लखनऊ (एसएनबी)। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वृहस्पतिवार को देश भर के शिक्षण संस्थानों के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 जारी कर दी गई है। जारी रैंकिंग में लखनऊ के भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित लखनऊ विश्वविद्यालय को टॉप 100 में जगह मिली है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 के अनुसार भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में 'प्रबंधन' श्रेणी में 5वां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही, संस्थान को एनआईआरएफ 2024 में 7 वें स्थान की तुलना में 2 स्थान की बढ़त मिली है।

एनआईआरएफ में इन संस्थानों की रैंकिंग में हुआ सुधार

वहीं किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने एक असाधारण छलांग लगाते हुए देश भर के चिकित्सा संस्थानों की श्रेणी में 19वें स्थान से 8 वें स्थान पर पहुँच गया है। इसके अलावा, केजीएमयू ने देश के शीर्ष 50 सार्वजनिक राज्य विश्वविद्यालयों में 29वां स्थान और समग्र विश्वविद्यालय श्रेणी में 50वां स्थान प्राप्त किया है, जो देश में एक अग्रणी चिकित्सा संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है। इसके लिए केजीएमयू की कुलपति एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रो. सोनिया नित्यानंद ने पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी और अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। इसी तरह लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी रैंकिंग में अपनी मजबूत मौजूगी दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय ने लगातार दूसरे साल देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में जगह बनाते हुए 98वाँ स्थान हासिल किया है। पिछले वर्ष यह 97वें पायदान पर था। बिबि की सबसे बड़ी उपलब्धि राज्य स्तरीय सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की श्रेणी में रही, जहाँ लखनऊ विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय सुधार करते हुए 32वें स्थान से छलांग लगाकर इस वर्ष 27वाँ स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश के गैर-तकनीकी राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष स्थान दिला दिया है। इसी तरह कानून (लॉ) श्रेणी में भी विश्वविद्यालय ने अपनी स्थिति को मजबूती दी है और 29वाँ रैंक हासिल की है। वहीं, प्रबंधन (मैनेजमेंट) श्रेणी में पहली बार भागीदारी करते हुए विश्वविद्यालय ने 100वाँ स्थान प्राप्त कर नई शुरुआत की है। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें खुशी है कि इस वर्ष विश्वविद्यालय, राज्य वित्तपोषित और विधि श्रेणी में हमने अपने अंक बेहतर किए हैं। भविष्य में और ऊँची रैंकिंग के लिए हम लगातार प्रयास करते रहेंगे। इसी तरह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नई पहचान स्थापित की है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष विश्वविद्यालय श्रेणी में 37वां स्थान प्राप्त किया है, जबकि ओवरऑल रैंकिंग में 69वां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान कार्य और समर्पित शिक्षण वातावरण को दर्शाती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि शिक्षकों, शोधार्थियों, प्रशासनिक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से इस सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक सदस्य की सराहना की और कहा कि वीवीएयू ने इस उपलब्धि के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है, बल्कि यह छात्रों और शोधार्थियों के लिए प्रेरणा का एक जीवंत स्रोत भी बन गया है।

वृहस्पतिवार को एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग 2025 के परिणामों के 10वें संस्करण का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह एक ऐसा अवसर है जब हम अपने छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता मानकों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 16 श्रेणियों से बढ़कर इस वर्ष 17 श्रेणियों तक एनआईआरएफ रैंकिंग का विस्तार, उच्च शिक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती विविधता को दर्शाता है। एक मजबूत रैंकिंग ढांचा और मान्यता प्रणाली न केवल प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगी, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 7, 8

जागरुकता को विवि कर रहा पहल

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने दीक्षारंभ अभिविन्यास एवं दीक्षांत समारोह सप्ताह का तीसरा दिन यौन न्याय हम क्या कर सकते हैं मनाया गया। समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने युवा अधिकारों, जागरूकता और सीएसआर से आईएसआर की ओर बदलाव पर प्रकाश डाला। डॉ. संजय त्रिपाठी ने युवाओं के लिए प्रामाणिक जानकारी की आवश्यकता और प्रभावी नीतियों को आकार देने में इसकी भूमिका पर ज़ोर दिया। डॉ. सुजाता देव ने मासिक धर्म, सुरक्षित यौन व्यवहार, सहमति, गर्भनिरोधक और एचपीवी टीकाकरण पर खुली चर्चा के महत्व पर ज़ोर दिया।

लविवि : छात्रावास आवेदन शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए, एमटीटीएम, बीएड, एलएलबी, एलएलएम, एमलिब, एमपीएड और बीपीएड के छात्र-छात्राओं को और बीएफए, बीवीए व एमएफए, एमवीए की छात्राओं को प्रथम सेमेस्टर में छात्रावास सुविधा हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। छात्रों को विश्वविद्यालय के एचएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। इसके लिए 50 रुपया का पंजीकरण शुल्क जमा करना अनिवार्य है, जिसकी अंतिम तिथि 7 सितम्बर निर्धारित की गई है।

68वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास 8 को

अमृत विचार, लखनऊ: लविवि का 68वां दीक्षांत समारोह आगामी 10 सितम्बर को 9:30 बजे से कला संकाय परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति करेंगी। इस अवसर पर डॉ. शेखर सी. माण्डे, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, जैव सूचना विज्ञान केंद्र, एसपीयू एवं पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। योगेन्द्र उपाध्याय, कैबिनेट मंत्री अति विशिष्ट अतिथि तथा रजनी तिवारी, राज्य मंत्री, विशिष्ट अतिथि होंगी।